लापरवाही बारिश ने खोली घटिया भराव की पोल, बुधवार रात होल में फंसी कार,सड़कों पर उभरे चेंबर और धंसी मिट्टी दे रहे बड़ी दुर्घटना को न्योता

सीवर ठेकेदार की लापरवाही से स्टेडियम रोड पर बन गए गहरे गड्ढे

नवभारत,शहडोल। शहर में सीवर लाइन बिछाने के नाम पर चल रहा निर्माण कार्य अब लोगों के लिए परेशानी और हादसे का कारण बनता जा रहा है। सीवर लाइन ठेका कंपनी द्वारा पाइप लाइन डालने के बाद सड़कों की खुदाई वाले हिस्से में महज मिट्टी डालकर काम पूरा कर दिए जाने का खामियाजा अब शहरवासियों को भुगतना पड़ रहा है। बारिश होते ही मिट्टी धंसने लगी है और कई स्थानों पर सड़क के बीचों-बीच गहरे गड्ढे और सिंक होल (गोफ) बन रहे हैं। स्टेडियम रोड पर भी ऐसी ही लापरवाही सामने आई, जहां बुधवार की रात अचानक बने गोफ में एक कार फंस गई। गनीमत रही कि कार सवारों को कोई गंभीर चोट नहीं आई और आसपास मौजूद लोगों ने मौके पर पहुंचकर मदद करते हुए कार को बाहर निकलवाया।

मिट्टी डालकर भूल गई कंपनी बारिश ने खोल दी पोल

स्थानीय लोगों का कहना है कि सीवर लाइन बिछाने के बाद ठेका कंपनी द्वारा सड़क की खुदाई वाले स्थान पर पर्याप्त तरीके से भराव और कांक्रीट का काम नहीं किया गया। कई जगहों पर मिट्टी डालकर सड़क को छोड़ दिया गया। अब बारिश का पानी जमीन के भीतर जाने और मिट्टी के बहने से सड़क के नीचे खोखलापन पैदा हो रहा है। यही कारण है कि कहीं सड़क धंस रही है तो कहीं अचानक गोफ बन रहे हैं।स्टेडियम रोड पर बने गोफ में कार फंसने की घटना ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि इसी तरह सड़क के बीचों-बीच कोई बड़ा गड्ढा बन गया और रात के समय कोई दोपहिया या चारपहिया वाहन उसमें गिर गया तो बड़ा हादसा हो सकता है। खासकर बारिश और अंधेरे के दौरान ऐसे गड्ढे वाहन चालकों को दिखाई नहीं देते।

चेंबर बने गुंबद, सड़कें बनीं खतरनाक

शहर में सीवर लाइन के लिए जहां-जहां चेंबर बनाए गए हैं, वहां भी हालात चिंताजनक बताए जा रहे हैं। कई स्थानों पर चेंबर के आसपास पर्याप्त कांक्रीट नहीं होने के कारण बारिश के पानी से आसपास की मिट्टी बह रही है। इससे चेंबर सड़क की सतह से ऊपर उठकर गुंबदनुमा आकृति में दिखाई देने लगे हैं। कई जगह चेंबर के आसपास सड़क धंस गई है, जबकि चेंबर का हिस्सा ऊपर उभर आया है। ऐसे स्थानों पर वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगाना पड़ता है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है।लोगों का आरोप है कि सीवर लाइन परियोजना में सड़क खोदने के बाद उसकी मरम्मत और मजबूती पर जिम्मेदार अधिकारी और ठेका कंपनी गंभीरता नहीं दिखा रहे हैं। निर्माण के बाद सड़क को पहले की तरह मजबूत बनाने के बजाय औपचारिकता पूरी कर दी जा रही है। इसका परिणाम बारिश के मौसम में सामने आ रहा है।

लोग बोले- जिम्मेदारों को बड़े हादसे का इंतजार?

स्थानीय निवासी बुधवार रात कार गोफ में फंस गई। आसपास के लोगों ने तत्काल मदद कर कार को बाहर निकाला। यदि यही घटना किसी बाइक सवार के साथ होती तो गंभीर हादसा हो सकता था। ठेका कंपनी को सड़क की मरम्मत और सुरक्षा के इंतजाम तत्काल करने चाहिए। एक अन्य नागरिक ने कहाकि सीवर लाइन का काम शहर के विकास के लिए जरूरी है, लेकिन काम के बाद सड़क को सुरक्षित बनाना भी उतना ही जरूरी है। सिर्फ मिट्टी डालकर सड़क छोड़ देना किसी भी स्थिति में उचित नहीं है। बारिश में मिट्टी बैठ रही है और सड़क के नीचे खोखलापन बन रहा है। स्टेडियम रोड के रहवासियों के अनुसार सड़क पर चलना मुश्किल हो गया है। गोफ कब और कहां बन जाए, इसका पता नहीं। यदि समय रहते इन स्थानों को ठीक नहीं किया गया तो किसी दिन बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता।

शहर में सर्वे की जरूरत, वरना बारिश में बढ़ेगा खतरा

शहरवासियों ने मांग की है कि नगर पालिका और संबंधित विभाग के अधिकारी सीवर लाइन के काम का तत्काल निरीक्षण कराएं। जहां-जहां सड़क के नीचे मिट्टी धंस रही है, वहां तकनीकी जांच कराकर दोबारा मजबूत भराव किया जाए। सभी चेंबर के आसपास पर्याप्त कांक्रीट और सड़क की सही ढंग से मरम्मत कराई जाए। लोगों का कहना है कि बारिश के दौरान यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई तो सड़क धंसने और सिंक होल बनने की घटनाएं और बढ़ सकती हैं।सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या जिम्मेदार विभाग किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है? स्टेडियम रोड की घटना चेतावनी है कि यदि सीवर लाइन के अधूरे और लापरवाहीपूर्ण कार्य को तत्काल दुरुस्त नहीं किया गया तो आने वाले दिनों में कोई बड़ा हादसा हो सकता है। अब देखना यह है कि जिम्मेदार अधिकारी इस घटना से सबक लेते हैं या पिर एक और हादसे के बाद ही जागेंगे।

गुरु पूर्णिमा पर भाजपा पिछड़ा मोर्चा ने किया गुरुओं का सम्मान

समरसता और संस्कारों का दिया संदेश

नवभारत,शहडोल। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे समरसता संकल्प अभियान के तहत भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा द्वारा भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा के मार्गदर्शनएवं पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया के नेतृत्व में जिले के विभिन्न मंदिरों में गुरु वंदन एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किए गए। कार्यक्रम के दौरान संत रविदास महाराज के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित कर संत-महात्माओं और समाज के प्रबुद्ध गुरुओं का शॉल, श्रीफ्ल एवं पुष्पमालाओं से सम्मान किया गया।

भाजपा पदाधिकारियों ने रामजानकी मंदिर, रेलवे कॉलोनी स्थित काली मंदिर, विराटेश्वरी धाम तथा मोहन राम तालाब स्थित रामजानकी मंदिर में पूजा-अर्चना कर संतों का आशीर्वाद लिया। इस दौरान भजन-कीर्तन में सहभागिता करते हुए श्रद्धालुओं के साथ प्रसाद भी ग्रहण किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष अमिता चपरा ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु का स्थान सर्वोच्च है। गुरु ही व्यक्ति को ज्ञान, संस्कार और जीवन की सही दिशा प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सेवा, समरसता और संस्कारों के मूल्यों के साथ समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचकर राष्ट्र निर्माण के कार्य में निरंतर सक्रिय है। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं विधायक मनीषा सिंह ने कहा कि माता-पिता, शिक्षक और आध्यात्मिक गुरु जीवन के आधार स्तंभ हैं। कार्यक्रम में भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष राकेश कनौजिया,भाजपा जिला महामंत्री अमित मिश्रा जिला उपाध्यक्ष संतोष लोहानी युवा मोर्चा जिल अध्यक्ष प्रियम त्रिपाठी महिला मोर्चा अध्यक्ष नीलम चतुर्वेदी, मीडिया प्रभारी आशीष कचेर, राजन रजक, पियूष सोनी, विपिन सोनी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, संत-महात्मा एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

एक नजर में

अज्ञात चोरों ने आंगनबाड़ी में लगाई सेंध

नवभारत,धनपुरी/बंगवार। धनपुरी थाना छेत्र के अंतर्गत ग्राम बम्होरी मे अज्ञात चोरो द्वारा आंगनबाड़ी क्र.एक से आरो मशीन व 32 इंच की एलईडी चोरी कर ली गई है जिसकी शिकायत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मनीशा बैगा द्वारा धनपुरी थाने मे आकर दी व बताया गया 26 तारीख को उक्त सामानो की चोरी कर ली गई थी उसके दूसरे दिन जब मै आंगनबाड़ी केंद्र पहुंची तो वहाँ स्थित आरो व एल,ई,डी चोरी हो चुकी थी जिसकी शिकायत कार्यकर्त्ता मनीशा बैगा द्वारा धनपुरी थाने मे आकर दी गई जिसकी शिकायत के आधार पर धनपुरी पुलिस द्वारा मौके का मुआयाना किया गया व विस्तृत जानकारी आसपास के लोगों से ली गई व आगे की व जल्द चोरी गए समानो की बरामदगी के लिए पुलिस द्वारा अस्वस्त किया गया की जल्द मामले का खुलाशा कर जल्द इसमें शामिल लोगों तक जल्द आरोपियों की पहचान सुनिश्चित कर ली जाएगी बेमहौरी बंगवार क्षेत्र में चोरी की चोरी की बढ़ती वजह का मुख्य कारण नशा है स्थानीय लोगों द्वारा बताया जाता है क्षेत्र में नशे का कारोबार तेजी के साथ फल फूल रहा है जिस कारण नशे के आदि युवा चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं क्षेत्र में नशे के प्रभाव के बढ़ने के ऊपर पुलिस द्वारा सख्त कदम उठाया जाएगा तो बढ़ती चोरियों पर विराम लग सकेगा।

दो साल बाद कलेक्टर बनकर लौटे पार्थ जायसवाल

नवभारत,शहडोल। शहडोल जिले में कलेक्टर पद को लेकर शासन स्तर पर एक सप्ताह के भीतर दूसरी बार बड़ा प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। शासन ने अब पार्थ जायसवाल को शहडोल जिले का नया कलेक्टर नियुक्त किया है। खास बात यह है कि पार्थ जायसवाल शहडोल जिले से भली-भांति परिचित हैं और वे पूर्व में करीब पांच वर्षों तक जिला पंचायत शहडोल के मुख्य कार्यपालन अधिकारी (सीईओ) के पद पर अपनी सेवाएं दे चुके हैं। अब करीब दो वर्ष बाद वे कलेक्टर के रूप में शहडोल लौट रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, पार्थ जायसवाल जुलाई 2019 से अगस्त 2024 तक लगभग पांच वर्षों तक शहडोल में जिला पंचायत सीईओ के पद पर पदस्थ रहे। इस दौरान उन्होंने जिले की ग्रामीण विकास व्यवस्था, पंचायत एवं ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों और शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभाली। लंबे समय तक शहडोल में पदस्थ रहने के कारण जिले के ग्रामीण क्षेत्रों, प्रशासनिक व्यवस्था और स्थानीय परिस्थितियों से उनका गहरा परिचय रहा है। अब कलेक्टर के रूप में उनकी वापसी को प्रशासनिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हीं, इससे पहले तत्कालीन कलेक्टर केदार सिंह का शहडोल से स्थानांतरण किए जाने के बाद मीसा सिंह को शहडोल का नया कलेक्टर बनाए जाने का आदेश जारी हुआ था। हालांकि, मीसा सिंह के शहडोल कलेक्टर के रूप में पदभार ग्रहण करने से पहले ही शासन ने अपने पूर्व आदेश में बदलाव करते हुए पार्थ जायसवाल को शहडोल कलेक्टर बनाने का आदेश जारी कर दिया। इस तरह एक सप्ताह के भीतर ही जिले के कलेक्टर पद को लेकर दो बार प्रशासनिक बदलाव हुआ है। पार्थ जायसवाल का शहडोल से पुराना प्रशासनिक जुड़ाव रहा है। जुलाई 2019 से अगस्त 2024 तक जिला पंचायत सीईओ के रूप में कार्य करने के बाद अब करीब दो वर्ष के अंतराल के बाद वे कलेक्टर के रूप में जिले में वापसी कर रहे हैं। उनके पूर्व कार्यकाल के दौरान जिले की पंचायत एवं ग्रामीण विकास व्यवस्था से जुड़े अनेक कार्यों में उनकी भूमिका रही है। ऐसे में शहडोल की प्रशासनिक और भौगोलिक परिस्थितियों से परिचित होना उनके लिए नई जिम्मेदारी में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है।

बाघ दिवस पर विद्यार्थियों को वन्यजीव संरक्षण का दिया संदेश

नवभारत,गोहपारू । अंतरराष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर 24 जुलाई को शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल गोड़ारू में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को बाघों के संरक्षण, वन्यजीवों के महत्व तथा पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में उनकी भूमिका के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई ।वन्य जीव और मानव द्वन्द न हो इस विषय मे प्रशिक्षु वन क्षेत्रपाल सुश्री प्रज्ञा गुप्ता (प.स. पटोरी) द्वारा छात्र -छात्राओं से विस्तृत चर्चा की गयी।

कार्यक्रम के क्रम में आज दक्षिण वन मण्डल शहडोल जिले मे प्रतिभागी छात्र छात्राओं को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया विभिन्न वन परिक्षेत्रों एवं बीटों में भी बाघ दिवस के उपलक्ष्य में जनजागरूकता गतिविधियाँ- रैली, नुक्कड़ नाटक,चरवाह सम्मेलन आदि आयोजित की गईं। यह कार्यक्रम गोहपारू परिक्षेत्र के वन परिक्षेत्र अधिकारी श्री हेमंत प्रजापति, एवं प्रशिक्षु वन क्षेत्रपाल प्रज्ञा गुप्ता (परिक्षेत्र सहायक पटोरी), के मार्गदर्शन में गोड़ारू में संपन्न हुआ ।इस अवसर पर बीट गार्ड शैलेन्द्र प्रताप सिंह, बीट गार्ड चंदेला राजू भूमिया, मीना सिंह,राखी बैगा, हीना कौसर (पैलवाह बीट गार्ड) सहित विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सभी ने वन एवं वन्यजीव संरक्षण का संकल्प लिया तथा बाघों की सुरक्षा के लिए जनभागीदारी बढ़ाने का संदेश दिया।

महाविद्यालय में गुरु पूर्णिमा उत्सव पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

जीवन में गुरु के महत्व पर चर्चा

नवभारत,जयसिंहनगर। मध्यप्रदेश शासन उच्च शिक्षा विभाग द्वारा आदेशित महर्षि वेदव्यास एवं महर्षि सांदीपनि के प्राकट्योत्सव पर पंडित अटल बिहारी वाजपेयी शासकीय महाविद्यालय जयसिंहनगर में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ धर्मेंद्र कुमार द्विवेदी की अध्यक्षता में गुरु पूर्णिमा का कार्यक्रम सफ्लतापूर्वक सम्पन्न हुआ । इस आयोजन में शिक्षक केपी चतुर्वेदी, आचार्य रामशरण शास्त्री, जयसिंहनगर के वरिष्ठ नागरिक सीता प्रसाद द्विवेदी एवं मुख्य अतिथि जयश्री कचेर मंडल अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी मंडल जयसिंहनगर मौजूद रहे। सभी सम्मानित अतिथियों के कर कमलों से मां सरस्वती, महर्षि सांदीपनि, महर्षि वेदव्यास एवं संत शिरोमणि कबीर दास के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित एवं दीप प्रज्वलित किया गया। प्राचार्य डॉक्टर धर्मेंद्र द्विवेदी द्वारा अतिथियों का सम्मान पुष्प, शॉल एवं श्रीफ्ल से किया गया साथ ही स्वागत उद्बोधन से सभी का स्वागत करते हुए प्रातः पूज्य गोस्वामी तुलसी दास जी द्वारा रचित राम चरित मानस के प्रसंग के माध्यम से इस भौतिकवादी संसार से मोक्ष पाने का मार्ग गुरु ज्ञान एवं गुरु कृपा को बतलाया। साथ ही गुरु महिमा की महत्ता को संत कबीरदास जी के जीवन को केंद्र में रखते हुए बताया। मुख्य अतिथि व्याख्यान में जयश्री कचेर ने सभी छात्र-छात्राओं को गुरुओं से ज्ञान प्राप्त करने एवं उनका सम्मान का आह्वान किया गया। अतिथि वक्ताओं में रामशरण शास्त्री ने गुरु शिष्य परंपरा पर बल देते हुए गुरु चरणों की कृपा किस प्रकार मनुष्य को अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाती है तथा गुरु की कृपा पात्रता कैसे हमारे जीवन को प्रकाशवान बनाती है आदि विषयों पर प्रकाश डाला। अतिथि वक्ता एवं शिक्षक स्तंभ केपी चतुर्वेदी ने स्वयं ईश्वर को भी गुरु कृपा पात्र बतलाते हुए भगवान श्री कृष्ण और उनके ज्येष्ठ श्री बलराम जी की शिक्षा दीक्षा आदि विषयों पर प्रकाश डाला एवं महर्षि सांदीपनि तथा महर्षि वेदव्यास द्वारा ऋषि परंपरा एवं ऋषि चिंतन की अप्रतिम धरोहर एवं विरासत के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम में हिंदी विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ अर्चना जायसवाल ने आभार व्यक्त किया तथा मंच संचालन स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ प्रभारी प्रोफेसर शुभांगी गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से प्रोफेसर उत्तम सिंह, प्रो अजय बैगा, डॉ तबस्सुम शेख, डॉ मुनौवर अली, प्रोफेसर जसीम अहमद, प्रोफेसर आदित्य शुक्ला, जितेंद्र साकेत, रागनी गुप्ता डॉ सौरभ मदन, अजीत कुशवाहा, रामनरेश चौधरी, विवेक पाठक, विपिन गुप्ता, सीतेंद्र पयासी, श्रवण मिश्रा सहित महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

डीआरएम के आगमन पर मजदूर संघ ने सौंपा ज्ञापन

लांग आवर्स ड्यूटी से लेकर रनिंग रूम में गुणवत्तापूर्ण भोजन का उठा मुद्दा

नवभारत,शहडोल। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, बिलासपुर मंडल के डीआरएम के शहडोल आगमन पर बुधवार, 29 जुलाई को दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे मजदूर संघ के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने मुलाकात कर रेल कर्मचारियों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को लेकर ज्ञापन सौंपा। संघ ने कर्मचारियों की समस्याओं का शीघ्र निराकरण कराने की मांग करते हुए रेलवे प्रशासन का ध्यान लंबे समय से चली आ रही विभिन्न समस्याओं की ओर आकर्षित किया। मजदूर संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में लांग आवर्स ड्यूटी, कर्मचारियों के स्पाउस ग्राउंड पर ट्रांसफर, रनिंग रूम में कर्मचारियों को गुणवत्तायुक्त भोजन उपलब्ध कराने, इंस्टिट्यूट के पुनर्निर्माण तथा कर्मचारियों के परिवारों के लिए खेल परिसर का निर्माण सहित अन्य कई मांगों को प्रमुखता से रखा गया। संघ पदाधिकारियों ने कहा कि रेलवे कर्मचारी लगातार कठिन परिस्थितियों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में उनके कार्यस्थल और पारिवारिक जीवन से जुड़ी सुविधाओं में सुधार किया जाना आवश्यक है।

खराब वॉकी-टॉकी का मुद्दा भी उठाया

मुलाकात के दौरान ट्रेन मैनेजरों के लिए उपयोग किए जाने वाले वॉकी-टॉकी की खराब स्थिति का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। संघ पदाधिकारियों ने डीआरएम को बताया कि बड़ी संख्या में वॉकी-टॉकी खराब होने के कारण ट्रेन मैनेजरों को कार्य के दौरान परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस गंभीर समस्या से डीआरएम को मौके पर वास्तविक स्थिति से अवगत कराने के लिए संघ पदाधिकारी उन्हें ट्रेन मैनेजर वॉकी-टॉकी रूम में भी लेकर गए, जहां उपकरणों की वर्तमान स्थिति दिखाई गई ।संघ ने रेलवे प्रशासन से मांग की कि ट्रेन मैनेजरों को बेहतर और कार्यशील संचार उपकरण उपलब्ध कराए जाएं।

बाघ दिवस पर मॉडल स्कूल में जनजागरूकता कार्यक्रम एवं रैली आयोजित

नवभारत,गोहपारू । अंतर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर मॉडल स्कूल भटिया में वन विभाग द्वारा सोमवार को जनजागरूकता कार्यक्रम एवं जागरूकता रैली का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों एवं आमजन में बाघ संरक्षण, वन्यजीव सुरक्षा तथा पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। कार्यक्रम की शुरुआत जागरूकता रैली से हुई, जिसमें विद्यार्थियों ने बाघ एवं वन्यजीव संरक्षण से जुड़े प्रेरणादायक नारों के माध्यम से लोगों को प्रकृति और जैव विविधता के संरक्षण का संदेश दिया। रैली के बाद विद्यालय परिसर में चित्रकला, रंगोली एवं निबंध प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिताओं का मुख्य विषय 'बाघ संरक्षण, बाघों का महत्व एवं पर्यावरण संरक्षण' रखा गया, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। वन विभाग के अधिकारियों ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बताया कि बाघ केवल भारत की शान ही नहीं, बल्कि वन पारिस्थितिकी तंत्र के संतुलन के लिए भी अत्यंत महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने बाघों के प्राकृतिक आवास, जैव विविधता में उनकी भूमिका, वनों के संरक्षण तथा वन्यजीवों के प्रति संवेदनशील रहने की आवश्यकता पर विस्तार से जानकारी दी। साथ ही सभी से पर्यावरण संरक्षण को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने और वन्यजीवों की सुरक्षा में सक्रिय सहयोग देने की अपील की। कार्यक्रम के अंत में विद्यार्थियों को प्रकृति संरक्षण की शपथ दिलाई गई तथा उन्हें पर्यावरण और वन्यजीवों के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित किया गया ।इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षकगण, बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं तथा वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे ।यदि प्रतियोगिता के विजेताओं या उपस्थित अधिकारियों के नाम भी हैं, तो उन्हें जोड़कर इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है।

चोरों के हौसले बुलंद, एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र की सुरक्षा पर सवाल

प्रदीप शर्मा

नवभारत धनपुरी/एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत धनपुरी ओसीएम में बीती रात चोरों ने धावा बोल दिया चोरों के द्वारा दो दीवार गिराकर अंदर घुसकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया गया इस घटना को छुपाने का कार्य किया जा रहा है और कई प्रकार की लीपापोती की जा रही है एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत बेशकीमती लोहा और लोहे से बने पार्ट्स चोर लगातार बड़ी मात्रा में चुराते आए हैं सोहागपुर क्षेत्र की जिम्मेदारी जिसके कंधे पर है वहीं अमित सिंह क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी सुरक्षा व्यवस्था को चाकचौबंद रखने में नाकामयाब सिद्ध हुए है इसके बावजूद भी वह लगातार अपने पद पर बने हुए हैं ।

प्रबंधन की मूक सहमति से लगातार अमित सिंह के कार्य संदेहों के घेरे में हैं अमित सिंह को जबसे क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी का जिम्मा सौंपा गया है मानों चोरों और असामाजिक तत्वों का हौसला और बढ़ गया हो, अपनी विवादित कार्यशैली की वजह से लगातार सुर्खियों में रहने वाले अमित सिंह यह बताएं की आज तक एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत कोयला खदानों में हुई चोरी के कितने मामलों का खुलासा किया गया, कबाड़ चोर और असामाजिक तत्व लगातार चोरी कर कॉलरी का बेशकीमती समान स्थानीय कबाड़ियों को बेचते रहे हैं हास्यास्पद बात यह है की एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र अंतर्गत सुरक्षा को चाक चौबंद बनाए रखने के लिए सीआईएसएफ की तैनाती भी की गई है किंतु जबसे कोल इंडिया ने एसईसीएल के साथ अनुबंध कर सीआईएसएफ को सुरक्षा का जिम्मा सौंपा है तबसे लेकर आज दिनांक तक लगातार चोरी की घटनाओं में बेतहाशा वृद्धि ही हुई है और अनवरत चोरी की घटनाएं लगातार जारी है

क्या एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र प्रबंधन और चोरों के बीच हैं गहरी सांठ गांठ जो आज दिनांक तक नहीं करवाई गई कोई भी कार्यवाही खास! सोहागपुर कोयला क्षेत्र अपने रिकॉर्ड स्तर पर कोयला उत्पादन के लिया विश्व विख्यात है और मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा कोयला क्षेत्र भी है लेकिन यह कहने में भी अतिश्योक्ति नहीं होनी चाहिए की सोहागपुर कोयला क्षेत्र में लगातार चोरी की घटनाएं भी अनवरत रूप से अनियंत्रित हैं किंतु इतनी चोरी की घटनाएं होने के बावजूद भी एसईसीएल प्रबंधन हाथ में हाथ धरकर बैठा हुआ है और आज दिनांक तक कोई कार्यवाही सुनिश्चित नही हो पाई जिसकी वजह से चोरों का हौसला बढ़ा है और आने वाले समय में किसी बड़ी घटना के घटित होने की आशंका से भी इंकार नहीं किया जा सकता और अगर कोई बड़ी घटना घटित होती है तो निश्चित रूप से इसकी पूर्णतः जिम्मेदारी क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी अमित सिंह की होगी तब जाकर शायद एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र प्रबंधन जागे और सुरक्षा व्यवस्थाओं को मजबूत करे।

किस आधार पर बनाया गया सुरक्षा अधिकारी, बड़ा सवाल!

अमित सिंह को एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र प्रबंधन ने किस आधार और किस अधिसूचना के आधार पर क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी जैसा संवेदनशील दायित्व सौंपा गया यह वाकई में कई प्रश्न चिन्ह खड़ा करता हैं। विजिलेंस के द्वारा तय किए गए मापदंडों के अनुसार 3 वर्ष से अधिक समय तक कोई भी व्यक्ति विशेष क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी के दायित्व पर लगातार नही बना रह सकता और इनकी योग्यता भी क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी जैसे संवेदनशील पद पर रहने की नही है तो क्या एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र प्रबंधन के द्वारा अमित सिंह को लगातार किस आधार पर पुरुस्कृत किया जा रहा है बड़ा सवाल है अमित सिंह हैं तो क्षेत्रीय सुरक्षा अधिकारी के पद पर तैनात लेकिन सुरक्षा के अलावा आज दिनांक तक बाकी सभी कार्य इनके द्वारा बखूबी संपादित किया जा रहा है अमित सिंह का मूल पद और मूल पद पर हुई भर्ती साथ ही अपने गृहक्षेत्र में ही बड़े पद पर पदोन्नत भी हुए और अमानक और असंवेदनशील तरीके से अपनी ड्यूटी को भी अंजाम दे रहे हैं जिससे एसईसीएल को लाखो करोड़ों रुपए के राजस्व की क्षति हो रही है जिसकी पूर्ति कौन करेगा बड़ा सवाल है क्या अमित सिंह को एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र महाप्रबंधक बीके जेना का संरक्षण प्राप्त है जिसकी वजह से वह लगातार एक ही पद पर और एक ही स्थान पर लगातार 5 वर्षों से अधिक समय से पदस्थ हैं।

कार्यालय नगरपालिका परिषद शहडोल, जिला शहडोल (म.प्र.)
Office of the Municipal Council Shahdol, Distt. Shahdol (M.P.)

D.D. Complex, Near Tagore Park
Shahdol, Distt. Shahdol - 484001
Email:cmoshahdol@mpurban.gov.in,
Ph.No. 07652-245175 (0), 241015(F)

क्रमांक / न.पा.श./2830 | शहडोल, दिनांक :- 28/07/2026

निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा केन्द्रीय पंजीयन पद्धति से पंजीकृत ठेकेदारों से नीचे दिये गये विवरण अनुसार ऑनलाईन पद्धति से आयटम दर पर निविदा आमंत्रित की जाती है।

एन.आई.टी. नम्बर	ई-टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम व विवरण	अनुमानित लागत (रु. में)	अमानत राशि	ऑनलाईन निविदा प्रपत्र की कीमत	ठेकेदार की श्रेणी	कार्य की समयसीमा	पोर्टल पर निविदा देखने एवं सबमिट करने का दिनांक
2776	2026_UAD_524148_1	Inviting Yearly Material supply rate for nagarpalika parishad shahdol as per nit rate for the year 2026-27 (CRM/GSB/Metal)	10.00	10000	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	365 days	27.07.2026 से 10.08.2026 समय 5:30 PM तक
2777	2026_UAD_524120_1	Inviting Yearly Material supply rate for nagarpalika parishad shahdol as per nit rate for the year 2026-27 (Hume Pipe)	09.90	10000	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	365 days	25.07.2026 से 08.08.2026 समय 5:30 PM तक
2774	2026_UAD_524150_1	Inviting Yearly Material supply rate for nagarpalika parishad shahdol as per nit rate for the year 2026-27 (Burnt Clay bricks, fly ash bricks sand, metal 20mm, metal 40mm)	09.50	10000	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	365 days	27.07.2026 से 10.08.2026 समय 5:30 PM तक
2775	2026_UAD_524151_1	Inviting Yearly Material supply rate for nagarpalika parishad shahdol as per nit rate for the year 2026-27 (OPC CEMENT, PPC CEMENT, 6MM, 8MM, 10MM,12 MM BARS, IRON BARS WITH FABRICATION)	09.50	10000	2000	Registered Contractors and firms AS PER NIT	365 days	27.07.2026 से 10.08.2026 समय 5:30 PM तक

1. इच्छुक ठेकेदार ऑनलाईन निविदा https:/mptenders.gov.in/ पर देखी जा सकती है।
2. किसी भी प्रकार का एन.आई.टी. से संबंधित शुद्धीपत्र केवल वेबसाईट में प्रसारित किया जावेगा। समाचार पत्रों में नही किया जावेगा। बाकी निविदा संबंधी समस्त विवरण एवं शर्ते ऑनलाईन देखी जा सकती है।

(निशांत सिंह ठाकुर)
मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद शहडोल
जिला-शहडोल (म.प्र.)